

व्यवस्थाविवरण: परिचय: सामग्री, संरचना और विषय-वस्तु

सत्र 1; डॉ सिंथिया पार्कर

यह डॉ. सिंथिया पार्कर और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर उनका शिक्षण है। यह सत्र 1 है:

परिचय: सामग्री, संरचना और विषय-वस्तु।

परिचय

मुझसे जुड़ने के लिए धन्यवाद. हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर एक व्याख्यान श्रृंखला कर रहे हैं। मेरा नाम सिंडी पार्कर है, मैं बाइबिलिकल थियोलॉजिकल सेमिनरी में प्रोफेसर हूँ, और ड्यूटेरोनॉमी मेरी सर्वकालिक पसंदीदा पुस्तकों में से एक है। मैं जानता हूँ कि बहुत से लोगों के पास व्यवस्थाविवरण के बारे में पूर्वकल्पित विचार हैं। कई बार जब मैं किसी कैफे में होता हूँ, और लिख रहा होता हूँ या ग्रेडिंग पेपर पर काम कर रहा होता हूँ, और लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं किस पर काम कर रहा हूँ, तो मैं इस तथ्य को जानता हूँ कि अगर मैं व्यवस्थाविवरण कहता हूँ, तो यह बातचीत को रोकने वाला होता है। लोग अपना सिर झुकाते हैं, भौंहे ऊपर उठाते हैं और मेरी ओर इस तरह देखते हैं, जैसे आप व्यवस्थाविवरण का अध्ययन करने में समय क्यों बर्बाद करेंगे? कभी-कभी लोग कहते हैं: मुझे यह भी नहीं पता कि व्यवस्थाविवरण क्या है, और मैं कहता हूँ, "ठीक है, यह पेंटाटेच में पांचवीं पुस्तक है।" फिर अजीब तरह से एक विराम लगता है, और मैं कहता हूँ, "ठीक है, आप जानते हैं, उन किताबों में से एक जिसे मूसा की किताब माना जाता है।" फिर मूसा आमतौर पर ऐसी चीज़ है जिसे लोग पकड़ सकते हैं। जब लोग व्यवस्थाविवरण के बारे में सोचते हैं, तो वे कानूनों और धूल भरी, गंदी किताबों के बारे में सोचते हैं, आप कवर से धूल हटा दें। पुस्तक से जुड़ने में कोई उत्साह नहीं है।

लेकिन मुझे यह किताब बहुत पसंद है. मुझे बताने दीजिए कि क्यों। मैं सोचता हूँ कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पुराने नियम के हृदयों में से एक है। यह हमारे लिए ऐसे विषय प्रस्तुत करता है जो पुराने नियम के शेष भाग में दिखाई देते हैं। व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पुराने नियम की चार पुस्तकों में से एक है जिसे नए नियम में सबसे अधिक उद्धृत किया गया है। इसलिए, यीशु के

समय और यीशु के बाद के लोगों के लिए भी, व्यवस्थाविवरण आवश्यक था। वे इसे समझ गये। वे इसे जी रहे थे। वे इसे साँस ले रहे थे। यह कहता है कि पुस्तक के बारे में कुछ दिलचस्प है।

मुझे लगता है कि हमें इस किताब को सुनने में कुछ समय लगाना चाहिए। और मुझे लगता है कि आधुनिक संस्कृति में हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक से बहुत कुछ सीख सकते हैं। हमें पुस्तक को केवल उसकी शर्तों पर संलग्न करने की आवश्यकता है, न कि अपनी शर्तों पर। इसलिए, जैसा कि हम बहुत सारी हिब्रू बाइबिल के साथ करते हैं, इस पर विचार करते हुए, यह पुस्तक आधुनिक समय के दर्शकों के रूप में हमारे लिए नहीं लिखी गई थी। किताब हमारे लिए लिखी गई है। हमारे पास बहुत कुछ है जिससे हम जुड़ सकते हैं और बहुत कुछ है जिसका उपयोग हम अपनी आधुनिक संस्कृति में लाने के लिए कर सकते हैं। वास्तव में, मुझे लगता है कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक हमें दिखाएगी कि ईश्वर का हृदय कैसा है, ईश्वर अपने लोगों का हृदय कैसा चाहता है, और निवेश करने और एक अच्छा समुदाय बनाने का बाइबिल दृष्टिकोण क्या है। लेकिन हमें व्यवस्थाविवरण की शर्तों पर ऐसा करने की ज़रूरत है। इसलिए, हम अगले कुछ व्याख्यानों में ऐसा करेंगे, व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के लिए हमारे संदर्भ और हमारे दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए।

पेंटाटेच में ड्यूटेरोनॉमी का स्थान और ऐतिहासिक पुस्तकों का हिंज

तो, एक परिचय के रूप में, आइए कुछ ऐसी चीज़ों को शामिल करें जो व्यवस्थाविवरण में हमारे लिए हैं। इसलिए, जब तक हम पेंटाटेच को पढ़ते हुए व्यवस्थाविवरण तक पहुंचते हैं, यदि आप सीधे उत्पत्ति से व्यवस्थाविवरण तक पढ़ रहे हैं, तो आप पाएंगे कि व्यवस्थाविवरण की कथा काफी धीमी हो गई है। इसलिए, यदि आप उत्पत्ति के बाद से पढ़ रहे हैं, तो आप समय के माध्यम से, यहाँ तक कि अंतरिक्ष के माध्यम से भी बड़े-बड़े कदम उठा रहे हैं। कथा मेसोपोटामिया से नीचे भूमि में, मिस्र में और वापस आ रही है। हम बहुत ही कम समय में पवित्रशास्त्र में पीढ़ी-दर-पीढ़ी लोगों का अनुसरण कर रहे हैं। इसलिए जब किसी कथा की बात आती है तो हम बड़ी प्रगति करते हैं, और जैसे ही हम व्यवस्थाविवरण पर पहुंचते हैं, हमें ब्रेक लगाना पड़ता है क्योंकि पूरी किताब इस तरह बनाई गई है जैसे कि यह एक ही स्थान पर, कितने लंबे समय में घटित हो रही हो, हम नहीं जानते, लेकिन इसे जॉर्डन नदी के ठीक किनारे पर लोगों को दिए गए उपदेशों की एक श्रृंखला के

रूप में बनाया गया है। तो, हमारे पास एक समय सीमा है जो धीमी हो जाती है। इसलिए, हमें व्यवस्थाविवरण को बिल्कुल अलग तरीके से पढ़ने की जरूरत है।

हम पाएंगे कि व्यवस्थाविवरण की यह पुस्तक पेंटाटेच में भी हमारे लिए निर्णायक मोड़ है। तो, हमारे पास पेंटाटेच किताबें हैं, या हम कुलपतियों की इन कहानियों का अनुसरण कर रहे हैं, और अब हम इसमें कूदने जा रहे हैं कि क्या होता है जब लोगों का यह समुदाय उस भूमि में जाता है जिसे भगवान ने वादा किया है। इसलिए, व्यवस्थाविवरण की पुस्तक हमारे लिए एक महत्वपूर्ण पुस्तक के रूप में कार्य करती है ताकि यह हमें पेंटाटेच से ऐतिहासिक आख्यानों में ले जाए। यह हमें कुलपतियों की कहानियों से उन कहानियों में ले जाता है कि एक भूमि-निर्माण समाज में रहने वाले और एक राज्य रखने वाले इज़राइल राष्ट्र के लिए यह कैसा है। व्यवस्थाविवरण की पुस्तक हमारे लिए संक्रमण बिंदु के रूप में कार्य करने वाली है।

व्यवस्थाविवरण: वर्तमान और भविष्य पर परिप्रेक्ष्य देने के रूप में अतीत

हम यह भी खोजने जा रहे हैं कि व्यवस्थाविवरण एक ऐसी तकनीक का उपयोग करने जा रहा है जिसे हम पूरे पुराने नियम में पाते हैं लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हमें अवगत होना चाहिए। इसलिए, व्यवस्थाविवरण वर्तमान समय की घटनाओं को समझने के लिए अतीत को भविष्य में होने वाली कार्रवाइयों की ओर देखने के तरीके के रूप में देखता है। यह सोचने का एक बहुत ही मध्य पूर्वी तरीका है। मध्य पूर्वी अब, आधुनिक समुदायों के साथ-साथ बाइबिल के समय में भी, लोग अपने अतीत का सामना करते हैं। दरअसल, जेरूसलम में मेरा एक दोस्त हमेशा उन छात्रों के समूहों से यही कहता है जो उससे बात करने जाते हैं। वह कमरे में हर किसी को देखेगा और कहेगा, "कोई तीस वर्षीय इजरायली नहीं है, और कोई तीस वर्षीय फिलिस्तीनी नहीं है।" और हमेशा एक ठहराव और भ्रम का क्षण होता है जब लोग खिड़की से बाहर देखते हैं और कहते हैं, "मुझे पूरा यकीन है कि कोई 30 साल का है।" और वह कहेगा, "नहीं, कोई भी 30 वर्ष का नहीं है। हर कोई 3000 वर्ष का है।" इसलिए, वह इस विचार को शामिल कर रहे हैं कि हर किसी की मानसिकता अतीत का सामना करने की होती है।

तो, यह एक बहुत ही बाइबिल आधारित बात है, और व्यवस्थाविवरण यह करता है। यह हमारे लिए थोड़ा उल्टा है। यदि आप उत्तरी अमेरिका या यूरोप में हैं, तो हमारे लिए कुछ न कुछ है। हम भविष्य का सामना करना पसंद करते हैं। हम समय-समय पर अतीत को देखने के लिए या शायद अतीत को देखने के लिए अपने कंधे पर नज़र डालते हैं, लेकिन हम सोचते हैं, मैं अपना खुद का व्यक्ति हूँ। मैं अपने लिए अपनी जिंदगी खुद बनाऊंगा। मैं दौड़ने जा रहा हूँ और भविष्य का पीछा कर रहा हूँ और जो मैं चाहता हूँ उसे बनाऊंगा।

यह वह तरीका नहीं है जिससे बाइबिल के लेखकों या बाइबिल के दर्शकों ने अपने विश्वदृष्टिकोण को आकार दिया। उन्होंने अतीत का सामना किया क्योंकि जब आप अतीत को देखते हैं, तो आप कुछ निश्चित देख रहे होते हैं। ऐसा पहले ही हो चुका है। मैं पहले से ही जानता हूँ कि यह क्या है। जो लोग मुझसे पहले आए हैं उनके कार्य यह समझाने में मदद करते हैं कि मैं यहीं, इस समय कौन हूँ। मैं जहां हूँ, अतीत के कारण ही हूँ। और मैं अपने कंधे पर नज़र डालूंगा और भविष्य के बारे में सोचूंगा, लेकिन मैं भविष्य में वापस आ जाऊंगा। मैं इस तरह पीछे की ओर चलूंगा लेकिन अपना अतीत अपने साथ ले जाऊंगा।

इसलिए, हमें इसके बारे में व्यवस्थाविवरण के साथ सोचने की ज़रूरत है क्योंकि यह व्यवस्थाविवरण की तकनीक का हिस्सा है। उन चीजों को याद रखने की पुनरावृत्ति है जो आपके सामने आ चुकी हैं क्योंकि यह आपके वर्तमान को यहां और अभी समझाती है, जो भविष्य में चीजों पर आपकी प्रतिक्रिया के तरीके को निर्धारित करेगी।

भूमि के किनारे/सीमा पर व्यवस्थाविवरण: घर वापसी और गृहस्थी

तो, फिर हमारी आखिरी चीज़ है, हमारे पास सीमा पर लोग हैं। अब मुझे लगता है कि यह भाग वास्तव में दिलचस्प है क्योंकि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक जिस तरह से लिखी गई है, उसमें हर कोई मूसा के साथ जंगल में भटक रहा है। वे ठीक जॉर्डन नदी के किनारे पहुँचते हैं। मूसा लोगों को उपदेश देने के लिये खड़ा हुआ, और लोग उस देश की ओर देख रहे थे जिसके विषय में मूसा कहता रहा, कि परमेश्वर वह देश तुम्हें निज भाग करके देता है। वे ज़मीन को देख रहे हैं, लेकिन वे

ज़मीन में नहीं हैं। तो, उनका तात्कालिक अनुभव जंगल में भटकना है, लेकिन वे कुछ नए में परिवर्तन के लिए तैयार हो रहे हैं। तो, वे सीमा पर मौजूद लोग हैं।

वे सीमा पर भी लोग हैं क्योंकि आपके पास उस भूमि की कहानियां हैं जो वादा की गई भूमि है जिसे भगवान ने इब्राहीम, इसहाक और याकूब को देने का वादा किया था। एक तरह से, आप अपनी घर वापसी जैसा महसूस करते हैं; आप इस स्थान पर आ रहे हैं, और आपने इस भूमि पर अपने महान कुलपतियों की कहानियों के बारे में सुना है। और इसलिए, घर वापसी है। ऐसा एहसास है कि हम यहीं के हैं। लेकिन घर में रहने की भावना भी है। जैसे हम पहले कभी यहाँ नहीं आये हों। मुझे नहीं पता कि यह उस एक पहाड़ी से परे कैसा दिखता है जिसे मैं अपने सामने देख सकता हूँ। और इसलिए, हम कुछ नया बनाने के लिए इस जगह पर जा रहे हैं, और वह जगह निर्देशित करेगी और मांग करेगी कि हम जंगल में भटकते हुए हमने जो देखा है, उससे बिल्कुल अलग प्रकार का समाज बनाएं।

तो सीमा पर होने का यह एहसास, यह कुछ नया करने के शिखर पर होने का एहसास है। यह एक डरावनी जगह है और यह एक बहुत ही रोमांचक जगह भी है। मुझे यह समझाना अच्छा लगता है कि ड्यूटेरोनॉमी कुछ हद तक एक कोच की तरह है जो टीम को मध्यांतर में लॉकर रूम में एक साथ लाता है। वे पहले ही बाहर घूम चुके हैं। वे परमेश्वर के साथ एक अनुबंध के साथ, एक राष्ट्र के रूप में जीवन नामक इस चीज़ को कर रहे हैं। भूमि में जाने का एक पिछला असफल प्रयास हुआ था। और वे असफल रहे, और उसके कारण, वे जंगल में भटक रहे हैं। और इसलिए, अब हमारे पास मूसा की यह बड़ी उत्साहवर्धक बातचीत है। आओ, लोग, इसे एक साथ खींचो। यह अंदर जाने का आपका दूसरा अवसर है। इस समय को छोड़कर, जब आप अंदर जाएं, तो आपको याद रखना होगा।

व्यवस्थाविवरण में स्मरण

और इसलिए व्यवस्थाविवरण की पुस्तक बार-बार "याद रखना" शब्द को गूँजती है। याद रखें कि आप भगवान के चुने हुए लोग कौन हैं। याद रखें कि आपका भगवान कौन है। और याद रखो कि उसने तुम्हें यह भूमि दी है। तो, मूलतः, यह मूसा अपनी टीम को ले जा रहा है और कह रहा है, चलो

अतीत का सामना करें। आइए याद रखें कि हमने पहले ही क्या सीखा है, और आइए उसे लें और उसके साथ इस बिल्कुल नई जगह पर जाएं जो हमारे पास है।

एक संभावित ईडन के रूप में अच्छी भूमि

हम यह भी खोजने जा रहे हैं कि उत्साहपूर्ण बातचीत का एक हिस्सा इस महान प्रकार की सक्रिय कल्पना है कि यह भूमि क्या हो सकती है। तो, जब वे इस भूमि पर जाते हैं, तो यहां क्या संभावना है? और इसलिए, मैं व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में जिन विषयों को सामने लाना चाहता हूं उनमें से एक यह है कि उत्पत्ति 1 और 2 में सृजन कथाओं का बहुत मजबूत संबंध है। इसलिए, अगर हम कहानी के शुरुआती भाग को याद करते हैं, तो ये सृजन कथाएं हैं भगवान का डिज़ाइन कैसा दिखता है इसके बारे में सब कुछ? जब भगवान शुरू से ही योजना बनाते हैं, तो वह कहने के लिए किस क्रम और संरचना को देखते हैं? वाह बहुत अच्छा।

तो व्यवस्थाविवरण उस सृजन भाषा में से कुछ को उधार लेता है और कहता है, आप जानते हैं कि, आप जिस भूमि में जा रहे हैं, उसमें बहुत अच्छी होने की उस तरह की क्षमता है। भूमि के पास ईडन का एक और उद्यान बनने का अवसर है।

व्यवस्थाविवरण यह नहीं कहता कि यह भूमि ईडन गार्डन है। यह उनको उस तरह से नहीं जोड़ रहा है। इसका मतलब यह नहीं है कि यह भूमि वह जगह है जहां ईडन हुआ था। यह वह नहीं है। यह कह रहा है कि इस भूमि में एक तरह की क्षमता है, इसलिए जैसे भगवान ने एक अद्भुत जगह बनाई जो जानवरों से, वनस्पति से भरी हुई थी, यह सही प्रकार का संदर्भ था, और फिर वह लोगों को लेता है और उन्हें उस संदर्भ में रखता है, और कहता है कि इसमें निवेश करें यह प्रसंग मुझे गौरवान्वित करने वाला तथा प्रसन्न करने वाला है। और उस संदर्भ में, भगवान लोगों के साथ रहते हैं।

वैसे ही यह भूमि भी. यह पहले से ही भरा हुआ है. इसमें वनस्पति है. इसमें वह सब कुछ है जो आपको चाहिए। अंदर जाओ, इसकी देखभाल करो, इसे इस तरह प्रबंधित करो कि मैं तुम्हारे साथ सद्भाव से रह सकूँ, और हम दोनों इसे एक साथ देख सकें और कह सकें, "यह बहुत अच्छा है।"

इसलिए, व्यवस्थाविवरण के पास उन लोगों के लिए एक दृष्टि है जो बाहर सीमा पर फंसे हुए हैं और भूमि पर जाने के लिए तैयार हो रहे हैं।

मूसा की गतिविधियाँ

अब कुछ चीजें हैं जिन्हें हम बुनियादी सामग्री के रूप में पाएंगे जो व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में हैं। तो, हम देखेंगे कि उपदेशों का एक पूरा सेट है, और हमारे पास कविता के कुछ टुकड़े और कुछ बहुत अच्छे गाने हैं, पुराने हिब्रू गाने हैं। और उस सामग्री के भीतर, हमें मूसा की अंतिम गतिविधियाँ मिलेंगी। तो, निर्गमन में हमारा परिचय मूसा से हुआ। हम मूसा के कार्यों, उसकी नेतृत्व क्षमताओं और जिस तरह से वह निर्गमन और संख्याओं और लैब्रिकस के कुछ हिस्सों में लोगों के साथ बातचीत करता है, उसका अनुसरण कर रहे हैं। और अब, हम व्यवस्थाविवरण पर पहुँचते हैं, और हम जीवन में मूसा की गतिविधियों के अंतिम भाग को पकड़ रहे हैं।

मूसा से जोशुआ को नेतृत्व हस्तांतरित करना

हम पाएंगे कि नेतृत्व का हस्तांतरण हो रहा है क्योंकि मूसा लोगों के साथ भूमि में नहीं जा रहा है; जोशुआ है। और इसलिए, नेतृत्व का आधिकारिक हस्तांतरण होता है जहां नेतृत्व का यह अभिषेक मूसा से जोशुआ तक जाता है। फिर यहोशू हमें देश में ले जाएगा और हमें यहोशू की किताब से बाकी ऐतिहासिक आख्यानों तक ले जाएगा। तो, हमारे पास वह स्थानांतरण नेतृत्व है जो होने वाला है।

कानून समझा रहे हैं

हमारे पास प्रवचन का लेखन है, या हम कानून की व्याख्या का लेखन कह सकते हैं। तो, व्यवस्थाविवरण के एक भाग का उद्देश्य मूसा को खड़ा करना और लोगों को समझाना है। हमें यह कानून सिनाई पर्वत पर प्राप्त हुआ। इस कानून का हमारे लिए क्या अर्थ होने वाला है क्योंकि हम ईश्वर द्वारा हमें दी गई भूमि में गतिहीन लोग बन जाते हैं? तो इसका मतलब क्या है? यह कानून की व्याख्या है। और वह भाग लिख लिया जाता है, या व्यवस्थाविवरण हमें बताता है कि वह भाग लिख लिया जायेगा। और फिर, निःसंदेह, सबसे अंत में, व्यवस्थाविवरण का हमारा अंतिम अध्याय मूसा की अंतिम मृत्यु को कवर करता है।

ईश्वर विषय-वस्तु: देखभाल करने वाले माता-पिता और अनुबंध दाता के रूप में ईश्वर

अब, जहां तक विषयों की बात है, हमने केवल सामग्री को कवर किया है; इस प्रकार की चीजें हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में देखने जा रहे हैं। जिन विषयों को हम देखते हैं, मैं उन्हें ईश्वर विषयों, इज़राइल के लोगों के विषयों और भूमि विषयों में विभाजित करने जा रहा हूँ। तो, निःसंदेह, ईश्वर इस पुस्तक के प्राथमिक पात्रों में से एक है। तो, हम यह पता लगाने जा रहे हैं कि ईश्वर एक देखभाल करने वाले माता-पिता की तरह कार्य करता है। उन्हें अक्सर इज़राइल के पिता के रूप में वर्णित किया जाता है। इसलिए, इस्राएलियों को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। ईश्वर को देखभाल करने वाले माता-पिता के रूप में दर्शाया गया है। ऐसे अधिकांश शब्द हैं जो उन्हें पिता के रूप में संदर्भित करते हैं, लेकिन हम कुछ ऐसे शब्दों पर विचार करेंगे जो ईश्वर को माँ मानते हैं, उनमें माँ के लक्षण भी हैं। तो, हमें पिता और माँ दोनों अपने बच्चे की देखभाल करते हुए खूबसूरत पाते हैं। अतः हम इस ईश्वर को माता-पिता के रूप में देखते हैं। हम यह भी देखते हैं कि ईश्वर न्यायपूर्ण नियमों का दाता है।

अब, यह भी कुछ ऐसा है जो मुझे लगता है कि सुंदर है क्योंकि जब लोग "कानून" शब्द सुनते हैं तो हम कानून के बारे में सोचते हैं, और यदि आपके अंदर एक विद्रोही प्रवृत्ति है, जो कि मेरे अंदर एक विद्रोही प्रवृत्ति है, तो हम में से बहुत से लोग ऐसा करते हैं; हमें लगता है कि कानून तोड़ने के लिए ही बने हैं। लेकिन यह उस तरह का कानून नहीं है जिस तरह हिब्रू बाइबिल वास्तव में कानून की बात करती है। टोरा, कानून, इसका वास्तव में "शिक्षाओं" के करीब अनुवाद किया जाना चाहिए। मैं जो कहना चाहता हूँ, भले ही यह थोड़ा मुंह में है, वह यह है कि कानून ईश्वर का सबसे अच्छा निर्देश है कि कैसे उस स्थान पर समृद्ध मानवता का निर्माण किया जाए जो उसने उन्हें दिया है। यही कानून है। यह अपने लोगों के लिए भगवान का उपहार है। आप कैसे सफल होते हैं? आप एक इंसान के रूप में कैसे फलते-फूलते हैं? ये कानून आपको यह समझने में मदद करने वाली चीजें हैं कि यह कैसे करना है। अतः, ईश्वर न्यायपूर्ण नियमों का दाता है। तो, एक जो अपने लोगों के बीच समानता पैदा करता है और एक जो प्रकृति के साथ-साथ लोगों का भी ध्यान रखता है।

हम यह भी सीखते हैं कि ईश्वर अपने लोगों के साथ है और जैसे-जैसे लोग जंगल से निकलकर ज़मीन पर आते हैं, एक हलचल होती है। भगवान अपने लोगों के साथ चलते हैं। तो, वहाँ एक रिश्ता है। यह एक देखभाल करने वाला रिश्ता है जो भगवान का अपने लोगों के साथ है। और हम पाते हैं कि ईश्वर उस प्रकार का ईश्वर है जो अपने लोगों के साथ कानूनी अनुबंध करने को तैयार है। तो, आप माउंट सिनाई में अनुबंध पर हस्ताक्षर करना कह सकते हैं, कुछ लोग इसे विवाह अनुबंध के रूप में सोचते हैं; यह भगवान और उसकी दुल्हन एक साथ आ रहे हैं। आप इसे पारिवारिक अनुबंध के रूप में सोच सकते हैं। यह वाचा ईश्वर को एक पिता के रूप में चित्रित करती है, और वह अपने लोगों के साथ पुत्रत्व का पारिवारिक संबंध बनाता है। लेकिन यह उल्लेखनीय है कि परमेश्वर अपने लोगों के साथ इस प्रकार के अनुबंधित संबंध में प्रवेश करता है।

वास्तव में, यह विचार कि ईश्वर अपने साथ एक अनुबंध में प्रवेश करता है, यहाँ तक कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक की संरचना में भी प्रकट होता है, जहाँ पुस्तक स्वयं एक संविदात्मक संरचना वाली प्रतीत होती है, और हम उस तक पहुँचेंगे। पल। तो यह परमेश्वर की एक सचमुच सुंदर तस्वीर है जो हमें व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में मिलती है।

इज़राइली थीम्स के लोग

हम इस्राएली लोगों के बारे में भी कुछ बातें सीखते हैं। इसलिए, हम देखते हैं कि लोगों से इस दयालु और प्रेमपूर्ण ईश्वर के प्रति प्रतिक्रिया की अपेक्षा की जाती है। इस पर अपेक्षित प्रतिक्रिया मिल रही है। तो, हां, जैसे मूसा लोगों से बात करता है और वे अपने अतीत का सामना करते हैं, और वे उन सभी चीजों को रिकॉर्ड करते हैं और याद करते हैं जो भगवान ने किया है। वे ऐसा यह समझाने के लिए करते हैं कि वे अभी जिस स्थिति में हैं, उस स्थिति में क्यों हैं और प्रतिक्रिया की मांग करते हैं। तो, ऐसा नहीं है कि हम केवल यह याद रखें कि परमेश्वर ने क्या किया है और बस उस अनुग्रह को प्राप्त करें। यह एक प्राप्ति है, और फिर, बदले में ईश्वर से प्रेम करने का उचित तरीका क्या है?

इसलिए, यदि हम परमेश्वर का प्रेम अर्जित करने के लिए कार्य नहीं कर रहे हैं, तो हमें उसका प्रेम पहले ही प्राप्त हो चुका है। हम इसे अतीत में देख सकते हैं। लेकिन वह कौन सा तरीका

है जिससे हम उसे प्रसन्न करने और परमेश्वर के प्रति अपना प्रेम दिखाने के लिए प्रतिक्रिया दे सकते हैं?

तो, उन्हें अनुग्रह मिलता है, लेकिन वास्तव में इनमें से कुछ भी उनके अपने कार्यों के कारण नहीं है। तो, यह व्यवस्थाविवरण में एक और विषय है। व्यवस्थाविवरण में थोड़ा-सा जीभ-में- गाल पहलू है जहां यह अक्सर बोलता है "यह मत सोचो कि ये सभी उपहार और ये सभी चीजें जो आपको प्राप्त हुई हैं, यह महान भूमि जिसमें आप जा रहे हैं उसमें एक ईडेनिक क्षमता है, यह मत सोचिए कि आपने इसे अर्जित करने के लिए पहले जो कुछ किया है, उसके कारण ऐसा हुआ है। इसका आपसे कोई लेना-देना नहीं है। वास्तव में, आप बल्कि विद्रोही रहे हैं। आपके पास इतिहास का सबसे बड़ा हिस्सा नहीं है, और फिर भी, भगवान अभी भी यहाँ है। भगवान अभी भी तुम्हें कुछ न कुछ दे रहा है।" लेकिन यह मान्यता है कि आपको अनुग्रह प्राप्त होता है क्योंकि ईश्वर वफादार है, लेकिन आपसे एक निश्चित तरीके से उसे जवाब देने की अपेक्षा की जाती है।

हमारे पास इज़राइल और राष्ट्रों का यह वास्तव में अच्छा विषय भी है। इसलिए, व्यवस्थाविवरण की यह पुस्तक लोगों के लिए लिखी गई है। इसकी पूरी संरचना मूसा द्वारा लोगों को उपदेश देने, उन्हें देश में जाने के लिए तैयार करने के लिए उत्साहवर्धक बातचीत है। यह उनके लिए है। इसका उनके अपने इतिहास, उनकी अपनी कथा और जिस ईश्वर की वे सेवा करते हैं, उससे बहुत कुछ लेना-देना है। फिर भी इज़राइल के आसपास अन्य देशों की अंतर्धारा है। इज़राइल उन अन्य देशों के साथ संबंध बनाने जा रहा है। और वो क्या है? और इसलिए हम देखते हैं, वास्तव में, हम व्यवस्थाविवरण के पहले कुछ अध्यायों में देखेंगे, कि यद्यपि परमेश्वर ने इस्राएल को चुना है, और यद्यपि यह पुस्तक इस्राएलियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, वास्तव में परमेश्वर की नज़र सभी लोगों पर है। और इसलिए, उस ज़िम्मेदारी के बारे में कुछ है जो लोगों को ईश्वर के प्रति प्रतिक्रिया देनी है, ईश्वर के साथ अपनी वाचा के प्रति वफादार रहना है, जो वास्तव में आसपास के अन्य देशों के लाभ के लिए है। तो, हम उसे भी देखेंगे।

भूमि थीम

और फिर मैं कहूंगा कि अंतिम और अंतिम विषय जिसे हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में

देखने जा रहे हैं वह भूमि है। यह "कहाँ," यह मायने रखता है। आधुनिक संदर्भों में लोगों के लिए इसे समझना और इसके महत्व को समझना वास्तव में एक कठिन विषय है, क्योंकि यदि आप आधुनिक समाज में रहते हैं, तो हो सकता है कि आप गाड़ी से दुकान तक जाते हों, हो सकता है कि आप अपने घर में एयर कंडीशनिंग को नियंत्रित करते हों, या आप सर्दियों में अपने घर को गर्म करते हैं। हम किराने की दुकान पर जाते हैं, और हमें किराने की दुकान में दुनिया भर के उत्पाद मिलते हैं। प्रौद्योगिकी हमें दुनिया भर के लोगों से जुड़ने की अनुमति देती है। और एक तरह से, यह सब जितना अद्भुत है, मैं उनमें से किसी भी विशेषाधिकार को छोड़ना नहीं चाहता, लेकिन जो चुनौतियाँ आती हैं उनमें से एक यह है कि यह हमें उस सटीक स्थान की विशिष्टताओं के बारे में कम जागरूक बनाता है जहाँ हम रहते हैं।

इसलिए, आधुनिक समय में, कभी-कभी मैं अपनी कक्षा में छात्रों से पूछता हूँ। क्या आप जानते हैं कि किराने की दुकान आपके घर से ऊपर या नीचे है? और जब तक आप वास्तव में किराने की दुकान तक नहीं जा रहे हैं, आपको शायद पता नहीं चलेगा कि यह चढ़ाई है या ढलान। यह बिल्कुल भी प्राचीन लोगों का अनुभव नहीं है।

लोगों ने अपनी जमीन को समझा। वे अपनी भूमि से दूर रहते थे। निर्वाह जीवन का मतलब है कि उन्हें मिट्टी के हर इंच से गहराई से जुड़ा होना चाहिए क्योंकि उस मिट्टी या जंगल में पानी के गड्ढों से जो उपज पैदा होती है, जहाँ वे अपनी भेड़ और बकरियों को ले जा सकते हैं, वही उनकी जीवन शक्ति है। वे भूमि को विस्तृत रूप से जानने पर निर्भर रहते हैं।

तो, भूमि बाइबिल में एक और चरित्र है, और हम अक्सर इसे अनदेखा करते हैं, और हम दिखावा करते हैं कि यह वहाँ नहीं है। हम इसे एक पृष्ठभूमि के रूप में पढ़ते हैं, जैसे कि यह सिर्फ एक स्क्रीन है जिसके सामने महत्वपूर्ण कार्रवाई हो रही है। लेकिन कहां महत्वपूर्ण है।

अब आप शायद वास्तव में इसे सहज रूप से जानते हैं क्योंकि अगर मैं आपको पहाड़ी इलाके में रहने वाले किसी व्यक्ति की तस्वीर दिखाऊँ, तो आपको पता चल जाएगा कि उनके कपड़े अलग हैं। वे संभवतः एक विशेष प्रकार का भोजन खाते हैं। वर्ष के दौरान वे जो गतिविधियाँ करते हैं, चाहे वह गर्मियों में लंबी पैदल यात्रा हो या सर्दियों में स्कीइंग या स्नोबोर्डिंग, बहुत अलग होती हैं।

पहाड़ों के हृदय में गहराई तक जाना काफी कठिन है। आप बाहरी दुनिया से बहुत अच्छे से नहीं जुड़ पाते हैं।

अब यह तट पर या समुद्र तट समुदाय में रहने वाले किसी व्यक्ति की तस्वीर दिखाने से बहुत अलग होगा। उनकी गतिविधियाँ बस अलग हैं; वहाँ बहुत अधिक पानी है, खेल खेलना, सेलबोट या वॉटर स्की, या स्कूबा डाइविंग। समुद्र तट पर ऐसे समुदाय हैं जिनका माहौल बिल्कुल अलग है। उनके जिस तरह के कैफ़े हैं वो बाहर हैं। बाहरी दुनिया से उनका संबंध थोड़ा अधिक खुला और व्यापक होता है। हम इसे सहज रूप से जानते हैं; हम उसे अपने साथ पाठ में वापस ले जाने में असफल हो जाते हैं।

और इसलिए हमें जो करने की ज़रूरत है, उसका एक हिस्सा, जैसा कि हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक का अध्ययन करते हैं, भूमि का अध्ययन करना है क्योंकि वास्तव में कहाँ बहुत मायने रखता है। तो हम कुछ मानचित्र देखेंगे, और मैं आपको कुछ तस्वीरें दिखाऊंगा ताकि हम इस जगह से जुड़ सकें जिसके बारे में इज़राइलियों को बताया गया था कि इसमें ईडन की तरह होने की क्षमता है। तो ये वे विषय हैं जिन पर हम विचार करने जा रहे हैं।

व्यवस्थाविवरण की संरचना

अब, पुस्तक की संरचना में अब हम कुछ जटिल मुद्दों पर चर्चा करना शुरू करते हैं। मैं कहूँगा कि जिन तरीकों से लोग संरचनाओं के बारे में बात करते हैं उनमें से एक है किताब को डिजाइन करने का तरीका, पाठ को लिखना, या यहां तक कि पाठ का लेखकत्व, और जब व्यवस्थाविवरण की बात आती है तो ये बहुत पेचीदा चीजें हैं। उनमें से कुछ को मैं अगले व्याख्यान के लिए सहेजने जा रहा हूँ। लेखकत्व और पाठ के उद्देश्य से संबंधित बहुत से प्रश्नों का कानून संहिता से बहुत कुछ लेना-देना है जो व्यवस्थाविवरण के दिल में अंतर्निहित है। तो, हम उन मुद्दों पर बाद में बात करेंगे।

लेकिन जब लोग व्यवस्थाविवरण की संरचना के बारे में सोचते हैं, तो हम इस बड़ी तस्वीर को कैसे देखेंगे? हम इसे कैसे तोड़ेंगे और समझेंगे कि यह एक साथ कैसे बुना गया था?

खैर, कोई भी सही उत्तर नहीं है। ऐसे कुछ अलग-अलग तरीके हैं जिनसे आप इसे तोड़ सकते हैं। तो आइए मैं आपको कुछ बताता हूँ जो शायद सबसे लोकप्रिय में से कुछ हैं जो आपको व्यवस्थाविवरण से संबंधित अधिकांश टिप्पणियों में मिलेंगे।

व्यवस्थाविवरण की वाचिक संरचना

तो, पहला जिसका मैं पहले ही उल्लेख कर चुका हूँ, मैंने इसका उल्लेख तब किया था जब हम व्यवस्थाविवरण के विषयों के बारे में बात कर रहे थे। वह एक अनुबंध होगा। तो विचार यह है कि परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ एक वाचा बाँधी है। इसलिए, हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को देख सकते हैं और कह सकते हैं कि यह एक वाचा की तरह संरचित है।

अब शायद आप पूछें, हम यह कैसे जानते हैं? आइए मैं आपको एक स्लाइड दिखाता हूँ और इसे पढ़ने के लिए कुछ समय देता हूँ। और मैं शर्त लगाता हूँ कि वास्तव में आपको बताए बिना कि किस प्रकार का समारोह हो रहा है, मुझे यकीन है कि आप इन शब्दों को पढ़ सकते हैं और इस अनुबंध या समझौते में शामिल लोगों के कार्यों के बारे में पढ़ सकते हैं, और मुझे यकीन है कि आप मुझे बता सकते हैं कि क्या है हो रहा है। और मैंने जानबूझकर उसे चुना जिसकी भाषा असामान्य हो, शायद पारंपरिक नहीं।

तो, आप क्या कहेंगे? "मैं तुम्हें अपना दोस्त और प्यार मानता हूँ।" पहले कुछ शब्दों के साथ ही, मुझे यकीन है कि आपमें से अधिकांश लोग सोच रहे होंगे कि यह एक शादी है। और फिर आप नीचे तक पहुंच जाते हैं, और यह होता है "मैं आपको यह अंगूठी एक प्रतीक के रूप में देता हूँ," और हम सभी चले जाते हैं। अरे हां। मैं जानता हूँ वह क्या है। हमने अंगूठियों का आदान-प्रदान किया। यह किसी विवाह समारोह जैसा लगता है। आप सही होंगे। और आपने ऐसा कुछ ही सेकंड में कर लिया क्योंकि वह सूत्र आपके लिए बहुत सहज है। आप इसे देखकर ही समझ जाएंगे कि इसका मतलब क्या है।

प्राचीन निकट पूर्वी संधियाँ और व्यवस्थाविवरण का संधि प्रपत्र

व्यवस्थाविवरण बहुत समान है। हमारे पास हिती और असीरियन संधियाँ हैं जो पाई गई हैं। इसलिए, जो संधियाँ लिखी गई हैं, और जैसा कि हम अध्ययन करने और अध्ययन करने में सक्षम हैं, हिती संधियाँ असीरियन संधियों की तुलना में काफी पुरानी हैं, वे बिल्कुल समान नहीं हैं, लेकिन हम

समान पैटर्न पा रहे हैं।

तो, हम पाते हैं कि वहां एक प्रस्तावना, एक प्रस्तावना है। इस संधि का सार यही है। ये वो पार्टियां हैं जो शामिल हैं।

हमारे पास एक ऐतिहासिक प्रस्तावना है. आमतौर पर, वह उस व्यक्ति के बारे में बात करता है जो इस संधि में बड़ा भागीदार है; ये वे चीज़ें हैं जो एक व्यक्ति पहले ही कर चुका है। तो, मान लीजिए एक राजा और एक शहर। तो, अधिपति या राजा, शक्तिशाली, और शहर, जो जागीरदार या कम शक्तिशाली होगा। उस प्रस्तावना में, आप देखेंगे कि राजा वह सब कुछ कह रहा है जो उसने इस अनुबंध को स्थापित करने के लिए पहले ही किया है।

फिर हमारी शर्तें होंगी. यही दोनों पक्षों की जिम्मेदारियां होंगी. तो, राजा या अधिपति, वह क्या देने का वादा करता है? इसलिए, वह वादा करता है कि अगर उस शहर को कभी भी जरूरत होगी तो वह अपनी सेना भेजेगा, अगर उस शहर को भोजन की जरूरत होगी तो भोजन का पुनर्वितरण करेगा। नेतृत्व द्वारा एक निश्चित मात्रा में समर्थन का वादा किया गया है। इसी तरह, और आमतौर पर, यहां का बोझ समझौते में शहर या जागीरदार पर पड़ता है। तो फिर कमजोर पक्ष कह रहा है, मैं आपको टैक्स का इतना प्रतिशत देने के लिए सहमत हूं। हम आपके साथ युद्ध में इतने सारे लोगों को भेजने का वादा करते हैं। हम राजा के हरम में एक बेटी भेजने का वादा करते हैं, या सभी प्रकार की शर्तें हैं।

फिर आशीर्वाद और अभिशाप भी हैं। तो, ये वो चीज़ें हैं जो इस अनुबंध के टूटने पर घटित होती हैं। या यदि यह वाचा पूरी हो जाए, तो ये आशीषें तुम्हें मिलेंगी। तो, ये आपके कार्यों के परिणाम होंगे।

आमतौर पर गवाहों का एक समूह होता है, चाहे वे न्यायाधीश हों, या अन्य राजा हों, कभी-कभी देवताओं की पूजा की जाती है। आप कह सकते हैं, स्वर्ग, स्वर्ग के तारे। इसमें हमेशा गवाह शामिल होते हैं।

और फिर किसी प्रकार का अनुसमर्थन समारोह होता है। तो, यह तब है, जब हर कोई यह याद करने के लिए इकट्ठा होता है कि हमने इस अनुबंध में प्रवेश किया है, शर्तों को याद रखने के लिए, आशीर्वाद को याद करने के लिए। आइए यहां अपनी याददाश्त को ताज़ा करें।

तो, ये मूल रूप से वे पैटर्न हैं जो हम प्राचीन निकट पूर्व में सैकड़ों वर्षों तक फैली कई वाचाओं में पाते हैं।

जब हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक तक पहुंचते हैं, तो हम पाते हैं कि यह इस पैटर्न का बहुत अच्छी तरह से पालन करती है। इसलिए, व्यवस्थाविवरण की संरचना इस प्रकार स्थापित की गई है कि यह एक प्राचीन निकट पूर्वी वाचा की तरह दिखती है। यह बिल्कुल हिती या असीरियन संधियों से मेल नहीं खाता है, लेकिन यह इतना करीब है कि आप जानते हैं कि यह कहना आसपास की संस्कृति से उधार लेना है कि यह पुस्तक उस वाचा की तरह है जो भगवान ने अपने लोगों के साथ रखी है।

और इस प्रकार, हमें प्रस्तावना, प्रस्तावना मिलती है। हमें ऐतिहासिक प्रस्तावना मिलती है। परमेश्वर ने अपने लोगों के लिए पहले से ही क्या किया है? वे कौन सी घटनाएँ हैं जो पहले आ चुकी हैं? हमें अध्याय 5 से 26 मिलते हैं, जो उन शर्तों की सूची हैं जो अंतर्निहित कानून कोड होंगी। क्या अपेक्षित है? जब परमेश्वर अपने लोगों से प्रतिक्रिया की अपेक्षा करता है, तो उससे क्या अपेक्षा की जाती है?

तब हम पाएंगे कि हमें आशीर्वाद और शाप दोनों मिलते हैं। जब हम अध्याय 32 पर पहुँचते हैं, तो हम पाते हैं कि ऐसे गवाह हैं जिन्हें परमेश्वर और उसके लोगों के बीच इस वाचा को देखने के लिए बुलाया गया है।

और हमारे पास एक अनुसमर्थन समारोह है। तो, यह थोड़ा क्रम से बाहर आता है, लेकिन यह अभी भी व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में है। इसलिए, यदि हम यह देख रहे हैं कि हम इस पुस्तक की बड़ी तस्वीर को कैसे समझ सकते हैं, तो हम इसे एक अनुबंध के रूप में समझ सकते हैं।

उपदेशों के समूह के रूप में व्यवस्थाविवरण को

हम उपदेशों के समूह के रूप में भी समझ सकते हैं। और यह कुछ ऐसा है जिसका मैंने भी उल्लेख किया है, यह इस विचार पर वापस जाता है कि मूसा लोगों के साथ जॉर्डन नदी पर, भूमि के किनारे पर खड़ा है, और वह उठता है और बोलता है। कुछ ऐसे शब्द और वाक्यांश हैं जो पूरे समय दोहराए जाते हैं—उपदेश दोहराव वाले होते हैं। वे प्रभावशाली हैं; यह एक अलंकारिक प्रकार का भाषण है जो लोगों में रुचि पैदा करता है और बहुत महत्वपूर्ण विचारों को दोहराता है। हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को 5 अलग-अलग उपदेशों में विभाजित कर सकते हैं। तो, हम व्यवस्थाविवरण को देख सकते हैं और कह सकते हैं, आइए मूसा के प्रत्येक उपदेश के अनुसार इसे पढ़ें। तो, हम अध्याय 1 से 4, 5 से 11, 12 से 26, 27 से 30, और 31 से 34 पाते हैं।

यह वही टूटना वास्तव में किताब को तोड़ने के अनुबंधित तरीके से भी काफी मेल खाता है। अतः संविदात्मक संरचना भी इसी संरचना का अनुसरण करती है। तो, यह बहुत समान है।

साहित्य के रूप में व्यवस्थाविवरण

हम उपदेश के स्थान पर यह भी कह सकते हैं; हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को साहित्य के रूप में देख सकते हैं, इस मामले में यह बहुत समान है। वास्तव में, मैं अध्यायों का बिल्कुल वही विवरण लेता हूँ; हम बस उन्हें कुछ अलग कहते हैं। तो, जिस तरह से मैंने इसे यहां रेखांकित किया है, उसके आधार पर, हम देखते हैं कि अध्याय 1 और 4, और फिर अध्याय 31 से 34 बाहरी फ्रेम हैं। इसलिए, उन्होंने पुस्तक के लिए संपूर्ण संदर्भ निर्धारित किया। अध्याय 5 से 11 और 27 से 30 आंतरिक फ्रेम हो सकते हैं। फिर किताब का फोकस, किताब होने का पूरा कारण, यहां अध्याय 12 से लेकर तक की कानून संहिता है। 26. यह पुस्तक का फोकस है। तो, इस कारण से, इस कानून को समझाने के लिए हमारे पास यह पुस्तक है।

सारांश निष्कर्ष

तो, आप देख सकते हैं कि हम पुस्तक को विभिन्न तरीकों से तोड़ सकते हैं। निश्चित रूप से उन सभी के बीच समानताएं हैं। कानून संहिता पुस्तक के केंद्र में है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम किस तरह से टूटेंगे और पुस्तक की संरचना के बारे में बात करेंगे।

लेकिन एक बात हम निश्चित रूप से कह सकते हैं, व्यवस्थाविवरण का संगठन अव्यवस्थित नहीं है। इसलिए पुस्तक और सामग्री के संगठन पर बहुत ही उद्देश्यपूर्ण ढंग से विचार किया गया है ताकि कुछ ऐसा तैयार किया जा सके जो लोगों के शामिल होने के लिए सुंदर हो। इसलिए, हम उस पर से नज़र नहीं हटाना चाहते क्योंकि व्यवस्थाविवरण एक बहुत ही सुंदर ढंग से तैयार किया गया है लिखित पुस्तक. कानून के अध्याय इसके मूल में हैं। जैसे-जैसे हम अपने व्याख्यानों को आगे बढ़ाते हैं, हम मूल रूप से यहां इस रूपरेखा का अनुसरण कर रहे हैं। मैं अध्याय 1 और 3 को तोड़ सकता हूं और उन्हें अध्याय 4 से थोड़ा अलग कर सकता हूं, लेकिन हम पुस्तक को इस तरह से संलग्न करने जा रहे हैं कि हम अपना अधिकांश समय यहां अध्याय 12 से लेकर कानून संहिता में केंद्रित करेंगे। 26.

यह डॉ. सिंथिया पार्कर और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर उनका शिक्षण है। यह सत्र 1 है:
परिचय: सामग्री, संरचना और विषय-वस्तु।